संक्षिप्त समाचार

हादसों में दो किशोर समेत चार लोग घायल

काशीपुर, एजेंसी। अलग-अलग सड़क हादसों में काजीबाग निवासी सोनू सागर (16) व अनीत (17), ग्राम फिरोजपुर निवासी आशा (40) और पर्वतीय कॉलोनी मानपुर निवासी उमा शंकर (40) और घायल हो गए। राहगीरों ने घायलों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने इलाज के बाद छुट्टी दे दी है।

युवक को रोककर दी गालियां, बरसाए ईंट-पत्थर

रुद्रपुर, एजेंसी। एक कलेक्शन एजेंट ने एक व्यक्ति पर रास्ता रोककर गालीगलौच कर ईंट पत्थर से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया है। उसने ट्रांजिट कैंप थाने में तहरीर देकर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की है वार्ड नंबर एक शिमला बहादुर निवासी गौरव सिंह ने पुलिस को बताया कि वह कॉरपोरेट सल्यूशन में कलेक्शन का कार्य करता है। 18 दिसंबर की दोपहर वह आवास विकास से एक किस्त लेकर घर जा रहा था। आरोप है कि कल्याणी व्यू में गोल्डन एजेंसी के पास एक युवक ने रोककर उसे गालियां दी। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने ईंट पत्थर से उस पर हमला कर दिया। इसमें उसके सिर और शरीर के अन्य जगहों पर काफी चोटें आई थी। अभियुक्त ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। उसने मामले की शिकायत तत्काल डायल 112 पर की है।

एसडीएम ने किया रैन बसेरे का निरीक्षण

बाजपुर, एजेंसी। एसडीएम अमृता शर्मा ने नगर पालिका के रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान शौचालय पर महिला और पुरुष अंकित नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। बुधवार रात दस बजे एसडीएम अमृता शर्मा अचानक रैन बसेरा पहुंची। रैन बसेरा प्रभारी सीताराम तिवारी आनन-फानन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने नोडल अधिकारी/ईओ को शौचालय पर महिला-पुरुष पृथक-पृथक अंकित करने, रैन बसेरा में रोस्टर के अनुसार कर्मचारी की ड्यूटी लगाने और रैन बसेरा का प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि नौ दिसंबर को मात्र एक व्यक्ति रैन बसेरा में ठहरा था। उसके बाद कोई नहीं पहुंचा। इससे प्रतीत होता है कि रैन बसेरा का प्रचार प्रसार नहीं हुआ है।

लोहे की रॉड से दंपती को पीटा, चार नामजद

रुद्रपुर, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र में एक दंपती को लोहे की रॉड से पीटकर घायल कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी तीन सगे भाई और उनकी मां पर केस दर्ज किया है। वार्ड नंबर 17 खेड़ा निवासी जोगिंदर पाल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि बीते पांच दिसंबर को जितेन्द्र यादव अपने भाई रवि यादव, बबलू यादव और मां कमलावती के साथ उसके घर के सामने आए थे।

भाजपा नेता गजराज ने मेयर पद के लिए पेश की दावेदारी, कहा- मैंने 40 साल से पार्टी की सेवा की है

हल्द्वानी , एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता गजराज बिष्ट ने मेयर पद के लिए दावेदारी की। नेता गजराज बिष्ट अपने समर्थकों के साथ भाजपा कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा- मैंने 40 साल से पार्टी की सेवा की है, मेरी दावेदारी सबसे मजबूत है। गजराज बिष्ट की दावेदारी से पार्टी के एक गुट में उत्साह देखा गया। पर्यवेक्षक केदार जोशी बोले पार्टी में शामिल होने वाले को टिकट मिलना जरूरी नहीं है।

मदरसों का होगा वेरिफिकेशन, अवैध फंडिंग की भी होगी जांच, सीएम के निर्देश के बाद एक्शन में पुलिस

देहरादून, एजेंसी। मदरसों के वेरिफिकेशन किए जाने के मुख्यमंत्री धामी के निर्देश के बाद पुलिस ने अपनी तैयारी कर ली है। जिला स्तर पर समिति बनाई गई है। प्रदेश में अवैध रूप से चल रहे मदरसों की जांच के लिए पुलिस ने भी तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अब पुलिस प्रदेश में मदरसों का वेरिफिकेशन करेगी। साथ ही मदरसों में अवैध फंडिंग को लेकर भी जांच की जाएगी। इसके लिए जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में समिति भी बनाई गई है। आईजी व पुलिस प्रवक्ता उत्तराखंड डॉ. नीलेश आंनद भरणे ने बताया कि प्रदेशभर में मदरसों का वेरिफिकेशन कराया जाएगा।

पीसीएस अफसरों के बीच वरिष्ठता विवाद गहराया, सरकार के इस आदेश के बाद विरोध में उतर आए

देहरादून, एजेंसी।
पदोन्नत पीसीएस अफसरों की मांग है कि चूंकि वह सीनियर हैं, इसलिए उन्हें भी एडीएम का पद दिया जाए, जबकि सीधी भर्ती के पीसीएस अफसरों का कहना है कि अस्थायी व्यवस्था के तहत जून 2012 से पीसीएस पद पर सेवाएं देने वालों को 2016 में इस पद पर पूर्ण पदोन्नति मिली है।

प्रदेश में सीधी भर्ती और पदोन्नत पीसीएस अफसरों के बीच वरिष्ठता विवाद गहरा गया है। सीधी भर्ती के दो अफसरों की एडीएम पद पर तैनाती अटकने के बाद वह विरोध में उतर आए हैं।उनका कहना है कि जिस समयावधि को जोड़कर पदोन्नत पीसीएस खुद को वरिष्ठ बता रहे हैं, वह नितांत अस्थायी थी, जिसे अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट भी जोड़ने से मना कर चुका है।

दरअसल, प्रदेश में पीसीएस-2012 बैच के सीधी भर्ती के 19 अफसर हैं, जिनकी ज्वाइनिंग 2014 की है। दूसरे वो 25 अफसर हैं, जो नायब तहसीलदार के पद से एसडीएम

के पद पर 2016 में पदोन्नत हुए थे, जबकि ये जून 2012 से बतौर तदर्थ पीसीएस जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

इन अफसरों का कहना है कि चूंकि वह 2012 से एसडीएम के पद पर सेवाएं दे रहे हैं, इसलिए 2014 में आए सीधी भर्ती के पीसीएस से सीनियर हैं। ताजा विवाद तब गहराया, जब सरकार ने सीधी भर्ती से पीसीएस योगेंद्र सिंह और जयवर्धन शर्मा को एडीएम पद पर तैनाती का आदेश जारी कर दिया।

पदोन्नत पीसीएस अफसर इसके विरोध में उतर गए। दोनों सीधी भर्ती के अफसरों की नए पद पर ज्वाइनिंग लटक गई। पदोन्नत पीसीएस अफसरों की मांग है कि चूंकि वह सीनियर हैं, इसलिए उन्हें भी एडीएम का पद दिया जाए, जबकि सीधी भर्ती के पीसीएस अफसरों का कहना है कि अस्थायी व्यवस्था के तहत जून 2012 से पीसीएस पद पर सेवाएं देने वालों को 2016 में इस पद पर पूर्ण पदोन्नति मिली है।

शासन को सौंपे पत्र में उनका कहना है कि उनको 6600 ग्रेड-पे 31 अक्तूबर 2019 को मिला और क्रमांक संख्या 158 से 176 तक के अधिकारियों को 2022 में 6600 ग्रेड-पे दिया गया, जिस आधार पर वह खुद को वरिष्ठ मान रहे हैं।

सरकारी जमीनों से कब्जा हटाने की राह में अफसर ही रोड़ा

देहरादून, एजेंसी। सरकारी जमीनों से कब्जा हटवाने की राह में अफसर ही सबसे बड़ा रोड़ा बन रहे हैं। अफसर अवैध कब्जों को हटाने के बजाय पीपी एक्ट में कार्यवाही कर रहे हैं। इससे कब्जा तत्काल नहीं हट पा रहा। सरकारी भवनों से कब्जेदारों का कब्जा हटवाने के लिए पीपी एक्ट का पालन किया जाता है। इसके अंतर्गत कब्जेदारों को हटाने से पहले बेदखली के नोटिस से लेकर नुकसान के भुगतान का प्रावधान है। यह अधिनियम सिर्फ सरकारी भवनों-परिसरों से कब्जेदारों को हटाने पर लागू होता है, लेकिन देहरादून में इस अधिनियम का बड़ा दुरुपयोग हो रहा है। पीपी एक्ट में सरकारी नोटिस की कार्यवाही में ही कई साल गुजर जा रहे हैं और कब्जेदार इसका लाभ उठा रहे हैं। जिलाधिकारी सविन बंसल ने अफसरों के इस रवैये पर नाराजगी जताई है। चेतावनी देकर कहा, सभी विभाग 15 जनवरी से पहले अपनी विभागीय भूमि से अतिक्रमणों को चिह्नित कर उसे कब्जामुक्त करा लें।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कर लैंड बैंक तैयार करने के निर्देश दिए। कहा, पीपी एक्ट सरकारी भूमि पर कब्जे के मामले में लागू नहीं होता, बल्कि सरकारी भवनों पर कब्जे के मामले में लागू होता है, सरकारी अफसर पीपी एक्ट की आड़ लेकर कब्जा हटाने की कार्रवाई से बचने का प्रयास न करें। सभी उपजिलाधिकारियों से कहा कि पीपी एक्ट के 21 दिन में प्रकरणों का निस्तारण करें। बैठक में प्रतिभाग न करने पर एक्सईएन एनएच व अधिशासी अधिकारी हरबर्टपुर का वेतन रोकने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि सभी विभाग अपनी-अपनी संपत्तियों से हटाए गए अतिक्रमण का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करें। डीएम सविन बंसल ने कहा कि पीपी एक्ट का प्रयोग सिर्फ उस स्थिति में किया जाए जब सरकारी भवनों या इमारतों में रहने वालों का कब्जा हटवाने को लेकर विवाद हो।

उत्तराखंड निकाय चुनाव : सर्वे से दावेदारों का दमखम परखेगी भाजपा, प्रत्याशी तय करने के पैमाने में रिपोर्ट अहम

देहरादून, एजेंसी।
पार्टी के पर्यवेक्षकों की टीमें फील्ड में उतर कर स्थानीय पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से रायशुमारी में जुट गई हैं। पर्यवेक्षकों को नगर निगमों में मेयर और नगर पालिका व नगर पंचायतों में अध्यक्षों के वार्ड सदस्यों के लिए तीन-तीन नामों के पैनल तैयार करने हैं, लेकिन कुछ नगर निगमों और नगर पालिकाओं में टिकट के लिए दावेदारों की लंबी कतार हैं।

निकाय चुनाव में जिताऊ प्रत्याशी की तलाश के लिए फील्ड में उतारे गए पर्यवेक्षकों से नामों के पैनल मिलने के बाद भाजपा सर्वे कराएगी। इस सर्वे के जरिये वह पैनल में शामिल किए गए नामों का दमखम परखेगी। यानी प्रत्याशी तय करने के पैमाने में सर्वे की रिपोर्ट भी अहम होगी। पर्यवेक्षकों को 21 दिसंबर तक प्रदेश संगठन को पैनल सौंपने हैं। फिलहाल निकाय चुनाव में दमदार प्रत्याशी उतारने के लिए भाजपा ने कसरत तेज कर दी है। पार्टी के पर्यवेक्षकों की टीमें फील्ड में उतर कर स्थानीय पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से रायशुमारी में जुट गई हैं। पर्यवेक्षकों

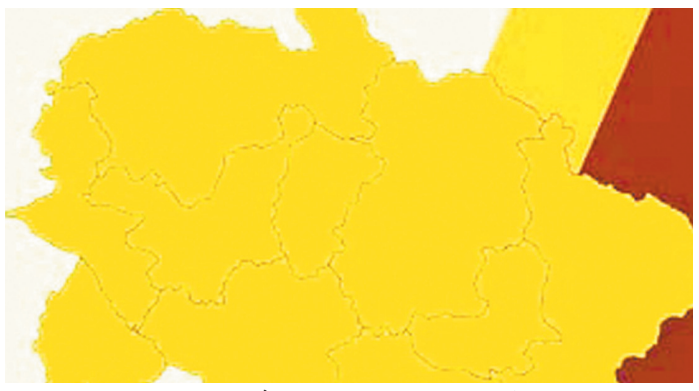

को नगर निगमों में मेयर और नगर पालिका व नगर पंचायतों में अध्यक्षों के वार्ड सदस्यों के लिए तीन-तीन नामों के पैनल तैयार करने हैं, लेकिन कुछ नगर निगमों और नगर पालिकाओं में टिकट के लिए दावेदारों की लंबी कतार हैं। ऐसे में पर्यवेक्षकों के लिए तीन नामों पर रायशुमारी और सहमति बनाना आसान नहीं होगा। ऋषिकेश, हरिद्वार, मसूरी, हल्द्वानी, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा समेत कई निकायों में पार्टी से जुड़े लोगों ने मेयर और अध्यक्ष पद के आरक्षण को लेकर आपत्तियां दर्ज की हैं। ऋषिकेश सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होने से यहां पर्यवेक्षकों को दमदार दावेदारों की तलाश करने के लिए खासा पसीना बहाना पड़ सकता है। यही हाल हरिद्वार और हल्द्वानी सीट पर है, जहां भाजपा कार्यकर्ता ही मेयर सीटों के सामान्य होने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन यहां सीटें आरक्षित हैं और नए दमदार चेहरों की तलाश होनी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पर्यवेक्षकों से पैनल प्राप्त होने के बाद प्रदेश नेतृत्व अपने स्तर पर भी फीडबैक लेगा। फीडबैक लेने का एक जरिया सर्वे होगा।

परिवहन विभाग की टीम कर रही थी चेकिंग, सामने से 126 की गति पर निकली बिल्डर की लैंड क्रूजर

देहरादून, एजेंसी।
परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम देखती रह गई और 126 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ती हुई टोयोटा लैंड क्रूजर कार सेकंडों में नजरों से ओझल हो गई। तेज गति से निकली कार को देखने वाले देखते रह गए। देहरादून-हरिद्वार राजमार्ग पर गुरुवार दोपहर एक बजकर 51 मिनट पर कुआंवाला में यह कार अनियंत्रित गति से उस समय गुजरी, जब परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम रडार-गन से बेलगाम गति से वाहन दौड़ाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई कर रही थी। इस मार्ग पर वाहनों की अधिकतम गति-सीमा 90 किमी प्रतिघंटा निर्धारित है। एआरटीओ (प्रवर्तन) राजेंद्र विराटिया ने बताया कि लैंड क्रूजर कार हिमाचल प्रदेश के सोलन जनपद में बड़ोग की एमएफ परफेक्ट कंस्ट्रक्शन के नाम पर पंजीकृत है। कार का ऑनलाइन चालान कर मालिक के पते पर भेजा जा रहा है। साथ ही चालक के ड्राइविंग लाइसेंस को

तीन माह के लिए निलंबित करने की भी संस्तुति की गई है। एआरटीओ ने बताया कि तेज गति से दौड़ रहे वाहन को रोकना या उसका पीछा करने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। इस कारण अब ऐसे वाहनों का इंटरसेप्टर व स्पीड रडार-गन से चालान किया जा रहा है। यह चालान घर भेजा जाता है, लेकिन चालान होने का एसएमएस वाहन स्वामी के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर तत्काल पहुंच जाता है। एआरटीओ ने बताया कि यह कार दून से हरिद्वार की ओर जा रही थी। कार नंबर (एचपी-14सी-6786) बताया गया। एआरटीओ ने बताया कि परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों ने गुरुवार को देहरादून बेलगाम गति से वाहन दौड़ाने वालों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाकर कार्रवाई की। इस दौरान 113 वाहनों का चालान किया गया। परिवहन कर अधिकारी अनुराधा पंत, श्वेता रौथाण व एमडी पपनोई ने हर्रावाला, कुआंवाला, सहारनपुर मार्ग समेत हरिद्वार बाईपास पर अभियान चलाकर ऑनलाइन चालान किए। देहरादून में तेज गति को नापने के लिए आरटीओ कार्यालय के पास चार इंटरसेप्टर और स्पीड रडार-गन हैं।

महिलाओं को आर्थिक सशक्तीकरण देगी महिला सारथी योजना, ट्रेनिंग-लाइसेंस और गाड़ी सबकी व्यवस्था करेगी सरकार

देहरादून, एजेंसी।
महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रदेश सरकार महत्वाकांक्षी पहल करने जा रही है। महिला सारथी परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की सड़कों पर महिला चालक व्यावसायिक यात्री वाहन चलाती दिखाई देंगी। पायलट परियोजना के रूप में इसे देहरादून जिले से प्रारंभ किया जा रहा है। सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण को लेकर अब तक कई कदम उठाए जा चुके हैं। महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण का कानून बन चुका है। महिला मंगल दलों को सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस क्रम में अब आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को अब व्यावसायिक वाहनों के संचालन का अवसर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि सारथी परियोजना में ऐसी महिलाओं को प्राथमिकता मिलेगी, जो आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा एवं परित्यक्ता हों। परिवहन विभाग महिलाओं को ड्राइविंग का प्रशिक्षण देगा। उनके ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाएंगे। महिलाओं के लिए वाहन की व्यवस्था कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड और निर्भया योजना फंड से की जानी प्रस्तावित है। इसमें लाभार्थी महिला को पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा।

ऑनलाइन निवेश कर रहे हैं तो जरा बच के ! उत्तराखंड में बुजुर्ग से ठगे साढ़े तीन करोड़

देहरादून, एजेंसी।
साइबर ठगों ने 87 वर्ष के बुजुर्ग को निवेश का झांसा देकर तीन करोड़ 77 लाख 90 हजार रुपये ठग लिए। जाखन निवासी वरिष्ठ नागरिक एमसी शर्मा ने बताया कि वह विदेश में नौकरी करते थे और वर्ष 2002 में देहरादून आए गए।

उन्होंने बताया कि अगस्त में उन्होंने फेसबुक पर एक वीडियो देखा जिसमें रतन टाटा की ओर से भारतीय नागरिकों के लिए रिजर्व बैंक आफ इंडिया में धनराशि निवेश करने की बात बताई गई। उसमें दिए लिंक पर क्लिक किया तो एक वेबसाइट खुली। वेबसाइट में एक फार्म भरने पर एक महिला ने उनसे संपर्क किया।

30 अगस्त को महिला की बताई स्कीम के बाद उन्होंने निवेश करना शुरू कर दिया। इसके बाद उनके लिए एक वित्तीय सलाहकार नियुक्त कर दिया, जिसने अपना नाम रमन सिंह बताया। व्यक्ति ने अच्छा लाभ उठाने के लिए बड़ी मात्रा में निवेश करने की सलाह दी, जहां उन्होंने आठ लाख रुपये का निवेश किया।

इस धनराशि का भुगतान इसाक जानसन पाल नादर स्टेट बैंक आफ इंडिया इन्वेस्टमेंट में किया गया। 20 अक्टूबर से चार नवंबर के बीच रमन सिंह ने अपने सीनियर संजीव अग्रवाल अंतरराष्ट्रीय ट्रेडिंग प्रभारी से बात कराई। उसने बताया कि जो धनराशि निवेश की गई है उसका काफी लाभ हुआ है।

ट्रेडिंग के बारे में जानकारी न होने चलते समय-समय पर ठगों ने उनसे धनराशि निवेश कराई और चार नवंबर तक उनसे तीन करोड़ 77 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने बताया कि जब उन्होंने धनराशि वापस करने का आग्रह किया तो आरोपितों ने उन्हें सभी ग्रुपों से बाहर कर दिया और फोन बंद कर दिए। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इस मामले में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

आंगनबाड़ी केंद्र से धनराशि भेजने का झांसा देकर महिला के खाते से साइबर ठग ने 75 हजार रुपये उड़ा दिए। पीड़िता चौहद बीघा निवासी संगीता ने बताया कि उनके पास एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत कर्मचारी बताया।

उक्त व्यक्ति ने बताया कि आपके डेढ़ साल के बच्चे को आंगनबाड़ी केंद्र से पोषाहार मिलता है। अब पोषाहार के साथ ही लाभार्थी के खाते में छह हजार भी भेजे जा रहे हैं। जिसके लिए उन्हें एक लिंक पर अपनी सहमति देनी है। उसके बाद उक्त व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर एक मैसेज भेजा और उस पर क्लिक कर अपनी सहमति देने को कहा।

कांग्रेसियों ने अमित शाह और केंद्र सरकार का फूंका पुतला

देहरादून, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बाबा साहब को लेकर दिए गए बयान के विरोध में कांग्रेसियों ने दो जगह विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा की केंद्र सरकार और गृहमंत्री का पुतला जलाकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने कहा कि अमित शाह ने बाबा साहब और संविधान का अपमान किया है। इसके लिए उन्हें इस्तीफा देने के साथ देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस भवन से कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में एश्ले हॉल चौक पर एकत्रित हुए। वहां जमकर नारेबाजी करते हुए गृहमंत्री और केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। गोगी ने कहा कि गृहमंत्री के बयान से साबित हो गया है कि भाजपा नेताओं में बाबा साहब के लिए कोई सम्मान नहीं है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत जोशी, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग दर्शन लाल, प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी, राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर मदनलाल आदि मौजूद रहे।

दूसरी ओर कांग्रेसियों ने डीएल रोड पर पूर्व विधायक राजकुमार और पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में गृहमंत्री का पुतला जलाया। राजकुमार ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब का अपमान किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि राज्यसभा में जिस प्रकार के अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल भीमराव आंबेडकर के लिए किया यह गृह मंत्री की तुच्छ मानसिकता को दर्शाता है। इस मौके पर हरदयाल सिंह, डॉ. बलदेव सिंह, अशोक कुमार, राकेश पंवार, नोहर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग अकादमी खोलने की तैयारी, प्रदेश के खाते में जल्द जुड़ सकती है एक और उपलब्धि

देहरादून, एजेंसी। राज्य में बॉक्सिंग की संभावनाओं को देखते हुए यहां अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग अकादमी खोले जाने का सुझाव दिया गया है। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा जाएगा।

उत्तराखंड को 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिलने के बाद उसके खाते में जल्द एक और उपलब्धि जुड़ सकती है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और शासन के बीच राज्य में अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग अकादमी खोलने पर सहमति बनी है।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के महासचिव हेमंत कलिता के मुताबिक, उनकी इस संबंध में विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा बात हुई है। उन्होंने इस पर सहमति जताई है। वहीं, विशेष प्रमुख सचिव खेल का कहना है कि इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के महासचिव हेमंत कलिता इन दिनों देहरादून में हैं। राज्य में बॉक्सिंग की संभावनाओं को देखते हुए यहां अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग अकादमी खुलनी चाहिए। कहा, इसके लिए उनकी विशेष प्रमुख सचिव खेल से बात हुई है।

पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता के दौरान हादसा, टेकऑफ के समय गिरा पायलट, हेली एंबुलेंस सेवा से लाया गया एम्स

टिहरी , एजेंसी।
पायलट हार्दिक (25) निवासी करनाल प्रतापनगर टेकऑफ प्वाइंट से अपने पैराग्लाइडर से उड़ान भर रहा था। लेकिन 10-15 फीट उड़ते ही वह नीचे गिर गया। जिससे उसके मुंह और कमर में चोट बताई गई।

पैराग्लाइडिंग एक्रो एंड एसआईवी प्रतियोगिता में अभ्यास के दौरान एक पायलट घायल हो गया। उसे तत्काल हेली एंबुलेंस सेवा से एम्स ले जाया गया। अपराह्न करीब पौने दो बजे करनाल निवासी पायलट हार्दिक प्रतापनगर टेकऑफ प्वाइंट से अपने पैराग्लाइडर से उड़ान भर रहा था।

करीब 10-15 फीट उड़ते ही बेकाबू होकर नीचे गिर गया, जिससे उसके मुंह और कमर में चोट आई। मौजूद एसडीआरएफ के अपर उपनिरीक्षक महावीर सिंह ने टीम के साथ रेस्क्यू किया। पैराग्लाइडर को अस्पताल भेजने के लिए हेली एंबुलेंस बुलाई गई। करीब पौने चार बजे पायलट हेली सेवा से एम्स

ऋषिकेश भेजा गया। वहां उसकी स्थिति सामान्य बताई गई है। पर्यटन विकास परिषद की ओर से टिहरी बांध की झील कोटीकॉलोनी में पैराग्लाइडिंग एक्रो एंड एसआईवी प्रतियोगिता शुरू हो गई। प्रतिभागियों ने प्रतापनगर से टेकऑफ कर कोटीकॉलोनी में लैंडिंग का अभ्यास किया। इस दौरान दूर-दराज से आए पर्यटकों ने भी कुट्टा प्वाइंट से से उड़ानभर कर हवाई रोमांच का लुत्फ उठाया। देश-विदेश से पहुंचे कई पायलटों ने प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

मुख्य अतिथि विधायक किशोर उपाध्याय और विशिष्ट अतिथि टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक एलपी जोशी ने टिहरी बांध की झील किनारे कोटीकॉलोनी में चार दिवसीय पैराग्लाइडिंग एक्रो एंड एसआईवी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि टिहरी बांध की झील का उपयोग स्थानीय लोगों के हितों के लिए किया जाना चाहिए। टिहरी झील वाटर स्पोर्ट्स हब के रूप में पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि टिहरी में भी पैराग्लाइडिंग के टेकऑफ और लैंडिंग स्थल कोटीकॉलोनी में दुनिया में प्रसिद्ध टर्की जैसी सुविधाएं विकसित करने की जरूरत है। पर्यटन विभाग को इस तरह की प्रतियोगिताओं में स्थानीय युवाओं की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। 22 दिसंबर को पैराग्लाइडिंग चैंपियनशिप के समापन अवसर पर स्थानीय छात्रों को शामिल करें। युवाओं को लाने-ले जाने के लिए टीएचडीसी निशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराएगी। टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक एलपी जोशी ने कहा कि टिहरी झील में खेलों को लगातार बढ़ावा मिल रहा है, जिससे टिहरी झील क्षेत्र बड़ा रोमांचकारी एडवेंचर बन रहा है। इससे निश्चित ही स्थानीय लोगों का रोजगार भी बढ़ेगा। इस मौके पर सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, आईटीबीपी के डिप्टी कमांडिंग आशुतोष बिष्ट, भाजपा जिला महामंत्री उदय रावत, तकनीकी विशेषज्ञ पैराग्लाइडिंग तानाजी ताकवे, अर्तोस, टिहरी जिला पर्यटन अधिकारी सोबत सिंह राणा, उधम सिंह नगर पर्यटन अधिकारी लता बिष्ट,चमोली पर्यटन अधिकारी बृजेंद्र पांडेय, खुशाल सिंह नेगी, सीमा नौटियाल, मनोज जोशी, बलवंत सिंह कपकोटी आदि मौजूद थे। पर्यटन विकास परिषद के अपर कार्याधिकारी अश्वनी पुंडीर ने बताया कि पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता में उत्तराखंड, हिमाचल, नार्थ ईस्ट और महाराष्ट्र के 75 प्रतिभागी और फ्रांस, ईरान, रूस, स्पेन और स्विटजरलैंड आदि देशों से 25 पायलट प्रतिभाग कर रहे हैं।